



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 403]

नई दिल्ली, सोमवार, अक्टूबर 12, 1992/आश्विन 20, 1914

No. 403]

NEW DELHI, MONDAY, OCTOBER 12, 1992/ASVINA 20, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में  
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a  
separate compilation

जल-मत्तक परिवहन मंत्रालय

अनुसूची

(पन्ना 12)

काडला पोर्ट ट्रस्ट

अधिसूचना

नई दिल्ली, 12 अक्टूबर 1992

महापत्तन न्याय अधिनियम, 1963 (1963 का 38) की धारा 28  
द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए काडला पोर्ट का न्याय मंडल  
एनड्रांग निम्नलिखित विनियम बनाता है, अर्थात्—

मा.का.नि. 403/अ.।—हेन्दू सरकार महोदय पत्तन न्याय अधिनियम  
1963 (1963 का 38) की धारा 132 की उपधारा (1) के साथ  
पठित अथवा 134 का उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों  
का प्रयोग करते हुए, काडला पत्तन न्याय मंडल द्वारा बनाए  
गए और इस अधिसूचना के साथ संलग्न अनुसूचि में काडला पोर्ट  
पाइलट रिवर (प्रशिक्षण क्षेत्रीकरण तथा वरिष्ठता) विनियम 1992  
का अनुमोदन करने हैं।

2. उक्त विनियम की अधिसूचना के सरकार राजपत्र में प्रकाशन की  
तारीख को प्रवृत्त होगी।

1. मशीन जोरपक, प्रारम्भ तथा लागू होना -

(1) ये विनियम काडला पोर्ट पाइलट सेवा (प्रशिक्षण, श्रेणीकरण तथा  
वरिष्ठता) विनियम, 1992 कहें जायेंगे।

(11) ये काडला पाइलट सेवाने प्रशिक्षणार्थी पादत्रियों पर लागू।

2. परिभाषाएँ—

इन विनियमों में जब भी संदर्भ में आया हो, तो—

(क) “अधिनियम” से महा पत्तन न्याय अधिनियम, 1963 (1963  
का 38) समय-समय पर व्याख्यायित की जायेगी।

(ख) “बोर्ड” से काडला पोर्ट न्याय मंडल अभिप्रेत होगा।

- (ग) "अध्यक्ष" से कंडला पोर्ट का अध्यक्ष अभिप्रेत होगा।
- (घ) "कंडला पाइलट सेवा" से कंडला पोर्ट के व्यापार मंडल द्वारा गठित सेवा अभिप्रेत होगी।
- (ङ) "उप संरक्षक, समुद्री विभाग" से ऐसा अधिकारी अभिप्रेत होगा जिसमें पाइलट कार्य के निदेश तथा प्रबंध निहित हैं।
- (च) "हार्बर मास्टर" से ऐसा अधिकारी अभिप्रेत होगा जो बोटों द्वारा नियुक्त है तथा ऐसे ड्यूटी का पुरा करना है जो कि समय-समय पर उप संरक्षक द्वारा नियत की जाती है।
- (छ) "सेवा" से कंडला पाइलट सेवा अभिप्रेत होगी।
- (ज) "मुख्य निक्किता अधिकारी" से ऐसा अधिकारी अभिप्रेत होगा जो कंडला पोर्ट में उस दौरान यह पद धारण किए हुए हैं।
- (झ) "निपुणता प्राधिकारी" उनी अर्थ में अभिप्रेत होगा जैसा कि कंडला पोर्ट (भर्ती वरिष्ठता तथा पदावधि) विनियम में व्यवस्थित है।

### 3. प्रवेश योग्यताएँ—

कंडला पाइलट सेवा में प्रवेश पाने हेतु निर्धारित में से कोई एक योग्यता होना आवश्यक है, यथा—

- (i) मास्टर (विदेशभाषी) के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र।

अथवा

- (ii) ड्रैज मास्टर ग्रेड I/प्रथम ग्रेड (विदेशभाषी) के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र।

अथवा

- (iii) ड्रैज ग्रेड I/द्वितीय ग्रेड (विदेशभाषी) के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र।

- (iv) टी. एस. राजेन्द्र का प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण करने का प्रमाणपत्र।

अथवा

- (v) अनिवार्य विषय के रूप में भौतिक तथा गणित में 50% अंकों सहित मान्यताप्राप्त विश्वविद्यालय से डिग्री।

अथवा

- (vi) प्रथम श्रेणी में अभियांत्रिकी स्नातक।

टिप्पणी :

पाइलट सेवा के उम्मीदवार को शारीरिक स्वस्थता प्रमाणपत्र ऐसे चिकित्सा प्राधिकारी से प्राप्त करना होगा, जिसे बोर्ड द्वारा इस प्रयोजनार्थ निर्धारित किया गया हो।

आयु सीमा :—(1) टी. एस. राजेन्द्र तथा स्नातक प्रविष्टि योजना के अधीन प्रशिक्षणार्थियों के लिए 28 वर्ष से कम अभियांत्रिकी उम्मीदवारों के लिए 28 वर्ष।

(2) अन्य उम्मीदवारों के लिए 35 वर्ष से कम।

### 4. श्रेणी पदानाम :—

- (1) कंडला पाइलट सेवा में आने वाला प्रशिक्षणार्थी पाइलट कहलायेगा।

5. मास्टर (विदेशभाषी) के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र धारण करने वाले प्रशिक्षणार्थी पाइलट का प्रशिक्षण.

(i) मास्टर (विदेशभाषी) के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र धारण करने वाले प्रशिक्षणार्थी को वरिष्ठ पाइलट तथा हार्बर मास्टर के साथ कम से कम एक माह का अवधि तक कंडला पोर्ट के पहुंच मार्गों में तथा उसके चारों ओर व उसको खाड़ी में नाविक कला तथा नौचालन का अनुभव प्राप्त करने हेतु अवकाश प्रदान

करने सहित जब तक वह कम से कम 30 पाइलट कार्य पूरे कर लेता है, जो भी पहले ही, प्रशिक्षण लेता होगा। प्रशिक्षण की समाप्ति पर यदि प्रशिक्षणार्थी को हार्बर मास्टर द्वारा सिफारिश की जाती है, बशर्ते कि उप संरक्षक द्वारा अनुमोदित ही तो सीमित पाइलट अनुज्ञप्ति प्रदान करने के लिए परीक्षण किए जाने हेतु आवेदन कर सकता है।

(ii) सीमित पाइलट के रूप में दो माह की अतिरिक्त अवधि समाप्त करने के बाद हार्बर मास्टर की सिफारिश पर वह परीक्षा बोर्ड, जिसमें भारतीय जहाज का मास्टर, हार्बर मास्टर तथा उप संरक्षक सम्मिलित होंगे, के समक्ष प्रस्तुत होगा।

(iii) उत्तीर्ण परीक्षा उत्तीर्ण करने और उनकी सिफारिश पर वह उम्मीदवार परिवर्तित पाइलट के रूप में भर्ती होने का पात्र होगा।

6. प्रथम श्रेणी (एफ. जी.)/ड्रैज मास्टर प्रथम श्रेणी के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र धारण करने वाले प्रशिक्षणार्थी पाइलट.

(i) प्रथम ग्रेड (एफ. जी.)/ड्रैज मास्टर प्रथम श्रेणी के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र धारण करने वाले प्रशिक्षणार्थी पाइलटों को वरिष्ठ पाइलट तथा हार्बर मास्टर के साथ नाविक कला तथा नौचालन का अनुभव प्राप्त करने के लिए कंडला पोर्ट के पहुंच मार्गों में तथा उसके चारों ओर और उसकी खाड़ी में तीन माह का अवधि तक सेवा करनी होगी जिसके दौरान उसे कम से कम 150 कार्य पूरे करने होंगे। उसके पश्चात् हार्बर मास्टर की सिफारिश तथा उप संरक्षक के अनुमोदन पर सीमित पाइलट कार्य अनुज्ञप्ति प्रदान करने के लिए परीक्षण किया जाएगा जो कि उसके 11000 जी. आर. टी. के जलयानों को दिन के समय में श्री. टी. बी. से मोतरी हार्बर तक तथा प्रतिवर्तमान पाइलट करने के लिए प्राधिकृत करेगा।

(ii) सीमित अनुज्ञप्ति के स्वतंत्र पाइलट के रूप में छह महीनों की समाप्ति पर उसे एक परीक्षा बोर्ड, जिसमें भारतीय जहाज का मास्टर, हार्बर मास्टर तथा उप संरक्षक सम्मिलित होंगे, के समक्ष उपस्थित होना पड़ेगा।

(3) उत्तीर्ण परीक्षा उत्तीर्ण करने और सिफारिश होने पर, उम्मीदवार परिवर्तित पाइलट के रूप में भर्ती होने का पात्र होगा।

7. प्रशिक्षणार्थी पाइलट जो द्वितीय ग्रेड (एफ. जी.)/ड्रैज ग्रेड-I के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र धारण करने वाला हो।

(i) प्रशिक्षणार्थी पाइलट जो द्वितीय ग्रेड (एफ. जी.)/ड्रैज ग्रेड-I के रूप में सक्षमता प्रमाणपत्र धारण करते हैं उन्हें वरिष्ठ पाइलट और हार्बर मास्टर के साथ नौ महीनों की अवधि तक प्रशिक्षण लेना होगा जिस दौरान उसे कंडला पोर्ट के पहुंच मार्गों में तथा उसके चारों ओर और उसकी खाड़ी में नाविक कला और नौचालन में अनुभव प्राप्त करने हेतु कम से कम 300 कार्य करने पड़ेंगे, तत्पश्चात् हार्बर मास्टर की सिफारिश और उप संरक्षक के अनुमोदन पर उसे सीमित पाइलट कार्य का अनुज्ञप्ति प्रदान करने हेतु उनकी परीक्षण किया जाएगा जो कि उसकी दिन के समय में श्री. टी. बी. से मोतरी हार्बर तक तथा प्रतिवर्तमान पाइलट करने हेतु प्राधिकृत करेगा।

(ii) सीमित अनुज्ञप्ति के स्वतंत्र पाइलट के रूप में छह महीनों की समाप्ति पर उसे एक परीक्षा बोर्ड, जिसमें भारतीय जहाज का मास्टर, हार्बर मास्टर तथा उप संरक्षक सम्मिलित होंगे, के समक्ष उपस्थित होना पड़ेगा।

(III) उत्पुष्प परक्षा उत्तरण करने और गिफ्टिंग पर उपवास  
कार परीक्षकाल पर पाठ्यक्रम के क्रम में तीर्थांगी या प्रजापति ।

६ प्रणिगार्थी पादार्त जो ट एस र जेन्द्र : प्रथम भेगा प  
उत्तरण करने का प्रमाणपत्र धारण करने वाला हो।

(1) प्रारम्भ में उसे हार्बर तथा नौकाओं निरन्तर पालन तथा मार्ग पर निरीक्षण के माध्यम से पकड़ने का प्रयत्न करना और इनके नियंत्रण तथा मान टैरिफ का प्राप्ति के लिए के लिए 1. मार्ग का अग्र संचालन किया जाएगा। अग्रगण्य उद्देश्य का निर्धारण की जाएगी और उन उद्देश्यों के लिए जो संचालन में प्रयत्न तथा अग्रगण्य अग्रगण्य कार्य पूरा करी सम्पूर्ण किया जाएगा।

[illegible]

(11) तानि आसन् पञ्चानां पादयोरुक्तानां मन्त्रानां ये पश्चात् उक्ता एव पर्याप्तानि सन्ति सन्ति तान् तान् का मोस्ट्र हॉलर भास्त्रा, तथा उक्तानां मन्त्रानां तान् ये मन्त्रान् उपस्थितिं तां पुर्यात्।

(IV) उपर्युक्त परीक्षा उत्तरों परीक्षा और प्रकाशित करने पर सम्मन्वित परिविक्षाधीन पाठ्यक्रम के अनुसार से उत्तर देना आवश्यक होगा।

१) स्नातक प्रविष्ट योजना के अन्तर्गत प्रविष्टार्थी पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण

(1) ऐसे प्रशिक्षार्थी पाइलट अिरटोने किया। प्रत्येक प्रा. ग. विषय विद्यालय से प्रतिवार्षिक विषय के रूप में भौतिक विज्ञान और गणित में कम से कम 50 प्रतिशत अंका के साथ विज्ञान की डिग्री हासिल की है और प्रथम श्रेण में उत्तीर्ण हुए निरंतर स्नातक या स्नातक के प. छठ महीने के लिए अनुसंधान विषयों पर शैक्षणिक परीक्षण हेतु प्रशिक्षण संस्थान में भेजा जाएगा।

(1) संस्थान में प्रशिक्षण समाप्त करने के पश्चात् प्रशिक्षणार्थी पाठकों का उस संस्थान द्वारा आयोजित परीक्षा में सम्मिलित होना रहेगा जिसमें द्वितीय मेट और प्रथम मेट परीक्षा के पाठ्यक्रम के सिद्धान्तिक पहलू समाविष्ट होंगे।

[illegible]

(५) ऊपर बताए गए प्रशिक्षण क समाप्ति पर प्रशिक्षणार्थियों का मरकेन्टाइल भरन डिपार्टमेंट (भारत सरकार) द्वारा आयोजित सेफेड मेट निमिटेड परक्षा सम्मिलित होना होगा।

[illegible]

(VI) सविता धनवति ईश्वरस्य गङ्गादेवो ज्योतिषं सविता  
वा सविता यत्र ईश्वरस्य देवो ज्योतिषं सविता यत्र  
का सविता यत्र ईश्वरस्य देवो ज्योतिषं सविता यत्र  
समस्त देवस्य देवो ज्योतिषं सविता यत्र

(VI) श्री. प्रभा - जेण धरत सथा सिकारिणा धरत असा उतर पावतशास - पाहिले ते का सं जेणे पावत शा पावत होता।

10. अथवा (क) या (ख) में से एक चुनिए।  
क. स. 1950 के संविधान के अनुच्छेद 14 के अन्तर्गत 'समता' का अर्थ क्या है?

[illegible]

११. उपायार्थं विनाशकाले कृत्वा तत्र ।  
परिक्षणार्थं न द्रष्टुं च प्रसिद्धं यथागतं निमित्तम् । अतः प्राधान्य  
तः निश्चिन्त्यते ।

(क) एक ही व में २२१ छात्र वरिष्ठा कंडला मोड ट्रस्ट को चयन सामग्री द्वारा चयन में सफल निर्धारण का अधिक योग्यता के अनुसार को जाणगी ।

(ख) प्रशिक्षणार्थी पाठ्यपुस्तक का विभिन्न श्रेणियों से भर्ती किए गए परीक्षार्थी गिन पाठ्यपुस्तक का आपसी वरिष्ठता, उनके प्रशिक्षण की गहनतापूर्वक संभावित तथा पर्याप्त परीक्षा उत्तर्ण करने पर कड़ाई से उस क्रमानुसार निर्धारित की जाएगी जिसमें वे परीक्षार्थी गिन पाठ्यपुस्तक के रूप में भर्ती किए गए हैं, इसमें उनकी किंमत भी श्रेणी में पाठ्यपुस्तक के रूप में भर्ती की तारीख तक उस श्रेणी के लिए निर्धारित की गई प्रशिक्षण की अवधि पर विचार नहीं किया जाएगा।

12 प्रशिक्षणार्थी पाठ्यपटों से संबंधित वजीफे ।

मास्टर एफ. जी प्रमाणपत्र धारण करने रु 4500/-प्रतिमाह  
वाला प्रशिक्षणार्थी

प्रथम सेट एक जो ब्रेज मास्टर धारण करने  
वाला प्राध्यापक

हिताय मेट एफ जी ड्रेज मेट ग्रेड-1 धारण करने  
 द्वारा परिक्षणार्थी रु 300/-प्रतिमाह

टी. एच. राठोड़ का प्रथम श्रेणी में उत्तीर्ण प्रमाण  
नव धारण करने वाला प्रशिक्षणार्थी रु. 1200 प्रतिमाह

निष्पत्तिार्थी स्नातक - रु 3000/- माह, दूसरे तथा तीसरे वर्ष  
रु 100 की वृद्धि नहिण ।

(बजोफे व साथ प्रागणार्थी पाइलटो को सस्थान मे श्रवदा पाठयक्रम तथा परीक्षा म सम्मिलित होने के सिवाय, पाइलटों को या जेय बर्दी भत्ता दिया जाएगा)

## 1.3 यात्रा भत्ता/दैनिक भत्ता

प्रशिक्षणार्थी पाइलट को कोई भी द्वारा समय-समय पर अधिकृत किए गए मान के अनुसार यात्रा भत्ते/दैनिक भत्ते का संग्रहित किया जाएगा।

## 1.4 अनुशासन -

प्रशिक्षण काल के दौरान किसी प्रशिक्षणार्थी पाइलट का आचरण और कार्य अगर संगोपनक नहीं पाया जाता तो प्रशिक्षणार्थी पाइलट के रूप में उसकी नियुक्ति किसी भी प्रकार की मोटिस या कारण बताएं बिना अव्यक्त द्वारा समाप्त की जा सकती है।

## 1.5 बंधपत्र का निष्पादन

प्रशिक्षणार्थी पाइलट के रूप में चुन लिए जाने पर पदभार ग्रहण करने से पूर्व एक ऐसा बंधपत्र निष्पादित करना होगा कि निर्धारित प्रशिक्षण पूरा होने से पहले अगर वह जाता है तो वह उसके प्रशिक्षण पर किए गए सवस्त व्यय, सक्षम प्राधिकारी द्वारा जैसा निर्धारित किया जाएगा, की भुगतानी कंडला पोर्ट ट्रस्ट को करेगा।

टिप्पणी:- सफलता से प्रशिक्षण पूरा करने और कंडला पोर्ट ट्रस्ट में पदभार ग्रहण करने पर पाइलट के रूप में नियुक्त होने पर वह अन्य बातों के साथ-साथ समय-समय पर यथासंशोधित कंडला पोर्ट (पाइलटों का प्राधिकार) विनियम, 1964 द्वारा शासित होगा।

## 1.6 निर्वचन :-

किसी भी विनियम अथवा प्रयुक्ति के निर्वचन में कोई संदेह अथवा राय में भिन्नता होने के मामले में वह मामला अव्यक्त को निवेष्ट किया जाएगा, जिसका निर्णय अंतिम होगा।

## 1.7 विनियमों के प्रावधानों में परिवर्तन/करण

इसमें पहले किसी श्रान के अन्वया होने हुए भी अव्यक्त उसके विवेकानुसार अत्यावश्यकता अथवा कार्य अथवा परिस्थितियों में ऊपर बताए गए किसी भी विनियम को शिथिल कर सकता है तथा इससे संबंधित उनके द्वारा लिखित रूप में अभिलिखित किए जायेंगे।

[न न पो प्रार 12012/15/12-पी ई-1]

प्रकाश जाशी रायपुर मन्त्रि

## MINISTRY OF SURFACE TRANSPORT

(Ports Wing)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 12th October, 1992

G.S.R. 806(E).—In exercise of the powers conferred by sub-section (i) of Section 124, read with sub-section (i) of Section 123 of the Major Ports Act, 1963 (38 of 1963), the Central Government hereby approves the Kandla Port Pilot Service (Training, Grading & Seniority) Regulations, 1992 made by the Board of Trustees of the Port of Kandla and set out in the Schedule annexed to this Notification.

2. The said regulations shall come into force on the date of publication of this notification in the Official Gazette.

## SCHEDULE

In exercise of the powers conferred by Section 28 of the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963), the Board of Trustees of the Port of Kandla hereby make the following regulations, namely :—

1. Short title, commencement and application : (i) These regulations shall be called the Kandla Port Pilot Service (Training, Grading and Seniority) Regulations 1992.

(ii) They shall apply to Trainee Pilots of the Kandla Pilot Service.

2. Definitions : In these regulations, unless the context otherwise requires—

- (a) "Act" shall mean the Major Port Trusts Act, 1963 (38 of 1963) as amended from time to time.
- (b) "Board" shall mean the Board of Trustees of the Port of Kandla.
- (c) "Chairman" shall mean the Chairman of the Port of Kandla.
- (d) "The Kandla Pilot Service" shall mean the service constituted by the Board of Trustees of the Port of Kandla.
- (e) "Deputy Conservator, Marine Department" shall mean the officer in whom the direction and management of pilotage are vested.
- (f) "Harbour Master" shall mean the officer appointed by the Board to perform such duties as may, from time to time, be assigned by the Deputy Conservator.
- (g) "Service" shall mean the Kandla Pilot Service.
- (h) "Chief Medical Officer" shall mean the officer for the time being holding the post in the Port of Kandla.
- (i) "Appointing authority" shall have the same meaning as prescribed in the Kandla Port (Recruitment, Seniority & Promotion) Regulations.

## 3 Entry Qualification :—

Qualification required for entry into the Kandla Pilot Service may be any one of the following, viz.—

- (i) Certificate of competency as Master (Foreign Going)

OR

- (ii) Certificate of competency as Dredge Master Grade I/First Mate (Foreign Going).

OR

- (iii) Certificate of competency as Dredge Master Grade I/Second Mate (Foreign Going).

OR

- (iv) First Class passing out certificate of T. S. Rajendra

OR

- (v) Degree of a recognised University with at least 50 per cent Marks in Physics and Mathematics as compulsory subjects.

OR

- (vi) First Class engineering Graduates.

**Note :** Candidates for Pilot Service should obtain certificate of Physical fitness from such medical authority as may be prescribed by the Board for the purpose.

**Age limit :**

(1) Below 26 years for trainees from T.S. Rajendra and under Graduate Entry Scheme. 28 years for Engineering candidate.

(2) Below 35 years for others.

4. Grade designation :

(i) An entrant to the Kandla Pilot Service shall be known as a Trainee Pilot.

5. Training of Trainee Pilot possessing the Certificate of competency as Master (Foreign Going)

(i) The Trainee Pilot possessing the Certificate of competency as Master (Foreign Going) shall serve a period of training of not less than one month with senior Pilot and Harbour Master to acquire experience in seamanship and navigation in and around Kandla Port approaches and its creek, or till such time he attends minimum of 30 acts of pilotage, involving of crossing the channel whichever is later. On completion of the training, the trainee may if recommended by Harbour Master and subject to approval of Deputy Conservator, apply to be examined for grant of Restricted Pilotage Licence.

(ii) On completion of further period of two months as a Restricted Pilot, he shall on recommendation of Harbour Master appear before an Examination Board consisting of Master of Indian Ship, Harbour Master and Deputy Conservator.

(iii) On passing the above examination and on their recommendations, the candidate shall become eligible for appointment as Probationary Pilot.

6. Trainee Pilots possessing the Certificate of Competency as 1st Mate (F.G.)/Dredge Master Gr. I

(i) Trainee Pilots possessing the Certificate of Competency as 1st Mate (F.G.)/Dredge Master Gr. I shall serve a period of training of three months with senior Pilots and Harbour Master during which he must attend a minimum of 150 jobs to acquire experience in seamanship and navigation in and around Kandla Port approaches and its creek. He shall, thereafter on recommendations of H.M. and

approval of D.C., be examined for grant of Restricted Pilotage Licence which will authorise him to pilot ships of 11000 GRT from OTB to inner harbour in day time and vice versa.

(ii) On completion of six months as independent Pilot of Restricted Licence, he shall appear before an examination Board consisting of Master of an Indian ship, H.M. & D.C.

(iii) On passing the above examination and the recommendations, the candidate shall become eligible for appointment as Probationary Pilot.

7. Trainee Pilots possessing the Certificate of Competency as 2nd Mate (F.G.)/Dredge Mate Gr. I

(i) Trainee Pilots possessing the Certificate of Competency as 2nd Mate (F.G.)/Dredge Mate Gr. I shall serve a period of training of nine months with Senior Pilots and HM during which he must attend a minimum of 300 jobs to acquire experience in seamanship and navigation in and around Kandla Port approaches and its creek. He shall, thereafter on recommendations of HM and approval of DC, be examined for grant of Restricted Pilotage Licence which will authorise him to pilot ships of 11000 GRT from OTB to inner harbour in day time and vice versa.

(ii) On completion of six months as independent Pilot of Restricted Licence, he shall appear before an Examination Board consisting of Master of an Indian ship, H.M. & D.C.

(iii) On passing the above examination and the recommendations the candidate shall become eligible for appointment as Probationary Pilot.

8. Trainee Pilots possessing the First Class, passing out Certificate of "T. S. Rajendra".

(i) He shall initially be posted on harbour tugs, dredger, Pilot launches etc. for a period of 12 months to undergo training to learn full aspects of dredging and its control and monitoring. Thereafter, trainees would be assessed for their competence and would be sent to Bombay for completing Radar Observers Course, proficiency in Survival of Craft and Advance Fire Fighting Course.

(ii) On passing above examinations trainees would serve a period of nine months with Senior Pilots and Harbour Master. He shall, thereafter on recommendations of H.M. and approval of D.C., be examined for grant of Restricted Pilotage Licence which will authorise him to pilot ships of 11000 GRT from OTB to inner harbour in day time and vice versa.

(iii) On completion of six months as independent Pilot of Restricted Licence, he shall appear before an Examination Board consisting of Master of an Indian ship, H.M. & D.C.

(iv) On passing the above examination and the recommendations, the candidate shall become eligible for appointment as Probationary Pilot.

9. Training of Trainee Pilots under Graduate Entry Scheme.

(i) Trainee Pilots holding Science degree with at least 50 per cent marks in Physics and Mathematics as compulsory subjects and First Class Engineering

Graduates, from any recognised University would on appointment be sent to a training Institute for academic training in Marine subjects for six months.

(ii) After completion of training in the Institute the Trainee Pilots would be required to appear for examination to be held by the said Institute, which would cover theoretical aspects of the syllabus of Second Mates and First Mates Examination.

(iii) After successful completion of training and passing Pilot examination, the trainees would be placed on KPT vessels such as tugs, survey boats, pilot vessels etc. and Dredging Corporation of India dredgers working at Kandla Port to enable them to acquire experience in seamanship and navigation and knowledge of Kandla Port approaches navigation channel and Kandla creek. They would be required to stay on such ship for atleast 18 months. They would be also required to learn full aspects of dredging and its control and monitoring. Thereafter, trainees would be assessed for their competence and only those persons with a potential for pilotage would be sent to Bombay for completing Radar Observers Course, proficiency in Survival of Crafts and Advance Fire Fighting Course.

(iv) At the conclusion of training as mentioned above, trainees would appear for Second Mates Ltd. Examination to be conducted by Mercantile Marine Department (Government of India).

(v) On passing above examination, trainees would serve a period of nine months with senior pilots and Harbour Master. He shall, thereafter, on recommendations of H.M. and approval of D.C., be examined for grant of Restricted Pilotage Licence which will authorise him to pilot ships of 11000 GRT from OTB to inner harbour in day time and vice versa.

(vi) On completion of six months as independent Pilot of Restricted Licence, he shall appear before an Examination Board consisting of Master of an Indian Ship, H.M. & D.C.

(vii) On passing the above examination and the recommendations, the candidate shall become eligible for appointment as Probationary Pilot.

10. Failure to pass an examination in the prescribed period of training.

In the event of a Trainee Pilot failing to pass any of the specified examination within the prescribed period even after availing of a maximum of three chances, his appointment as Trainee Pilot will be liable to be terminated forthwith without any notice or reasons whatsoever.

11. Inter-se seniority of Trainee Pilots

The inter-se seniority of Trainee Pilots shall be determined on the following basis:—

(a) In a batch, their inter-se seniority will be in accordance with the order of merit as determined by the Selection Committee of Kandla Port Trust at the time of selection;

(b) The inter-se seniority of the Probationary Pilots appointed from various categories of Trainee Pilots on successful completion of

their training and passing of the required examination, shall be determined strictly in order in which they are appointed as Probationary Pilots irrespective of their date of appointment as Trainee Pilots in any category and the period of training prescribed for such category.

12. Scale of stipend to Trainee Pilots.

Trainee with Master  
F.G. Certificate : Rs. 4500 p.m.

Trainee with 1st Mate  
F.G. Dredge Master : Rs. 3500 p.m.

Trainee with 2nd Mate  
F.G. Dredge Mate Gr. I : Rs. 3300 p.m.

Trainee with First Class passing  
Certificate of T.S. Rajendra : Rs. 3200 p.m.

Trainee Graduates—Rs. 3000 p.m. with an increment of Rs. 100 in the 2nd and 3rd year.

(In addition to the stipend, the Trainee Pilots shall be paid uniform allowance admissible to the Pilots except while in institute or attending course and examination).

13. T.A./D.A.: The trainee pilots shall be paid TA/DA as per the scale as may be laid down from time to time by the Board.

14. Discipline:

During the course of Training, if the conduct and performance of any trainee Pilot is not found to be satisfactory, his appointment as Trainee Pilot will be liable to be terminated without notice or reasons, whatsoever by the Chairman.

15. Execution of Bond:

On being selected as a Trainee Pilot, he shall execute, before joining, a bond that he shall pay to the Kandla Port Trust the entire expenditure incurred on his training as may be determined by the competent authority, if he leaves before completion of prescribed training.

Note:—On completion of successful training and subsequent appointment as Probationary Pilot in KPT, he shall, inter alia, be governed by the Kandla Port (Authorisation of Pilots) Regulations, 1964, as amended from time to time.

16. Interpretation:

In case of any doubt or difference of opinion about the interpretation of any of the Regulations or the application, it shall be referred to the Chairman, whose decision shall be final.

17. Relaxation of provisions of the regulations:

Notwithstanding anything contained hereinbefore, the Chairman, may, at his discretion, relax any of the regulations mentioned above in exigencies or work or situation, the reasons for which shall be recorded by him in writing.

[No. PR-12612/15/92-PE.]

ASHOKE JOSHI, Jt. Secy.